बुमराह का कहर, आरसीबी .. 7

सांध्य दैनिक

4PM

डर शरीर का रोग नहीं है, यह आत्मा को मारता है।
–महात्मा गांधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 68 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 12 अप्रैल, 2024

बंगाल में मुद्दा बनेगा... 3

राशन नहीं मोदी सरकार से ... 2

मेदांता अस्पताल की लूट

कैबिनेट मंत्री की माँ के इलाज के नाम पर लूटे लाखों रुपये

» पहले भी लूट का लगता रहा है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के अस्पतालों की मनमानी व लापरवाही का शिकार आम जन तो बनता ही रहता है पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री तक को ये बड़े अस्पताल अपने तंत्र से लूटने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। दरअसल, लखनऊ के मेदांता अस्पताल ने योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर को भी लूटने से नहीं छोड़ा।

कैबिनेट मंत्री ने एक चैनल से मेदांता हॉस्पिटल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि चार दिन में 4 लाख रुपए ले लिए लेकिन इलाज के नाम पर फाइल पर फाइल बनाते रहे। पर मां की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ है। राजभर की मां का गुरुवार देर रात निधन हो गया। इसकी जानकारी खुद सुभासपा अध्यक्ष ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर दी है। राजभर की माता जी का अंतिम संस्कार पैतृक गांव वाराणसी के फत्तेहपुर खौदा में होगा।

अस्पताल के खिलाफ किसी की बोलने की हिम्मत नहीं

मेदांता अस्पताल पर पहले भी जमकर लूट का आरोप लगता रहा है। पर किसी में हिम्मत नहीं जो मेदॉंता अस्पताल का कुछ बाल भी बाँका कर सके। अस्पताल के मालिक चाहे सरकारी ज़मीन लूटें चाहें लोगों की जान से खेले। पर इनका कुछ नहीं बिगड़ेगा।

सीएम योगी ने जताया शोक

उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और सुभासपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर की मां का निधन हो गया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओम प्रकाश राजभर की मां के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओपी राजभर जी की पूज्य माता जी के देहावसान की दु:खद सूचना प्राप्त हुई। प्रभु श्री राम से पूजनीय माता जी की आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मुझे नहीं छोड़ रहे तो गरीबों को क्या छोड़ेंगे : राजभर

उन्होंने कहा कि मैं बीमार माँ का इलाज कराने गया था। अस्पताल ने मुझे लूट लिया। मैं जब गया तो माँ बेहोश पड़ी थी। बोल नहीं पा रही थी। चार दिन में कोई इंप्रुवमेंट नहीं हुआ। पर रुपये लेते रहे। मंत्री ने कहा कि हमारे जैसे लोगों को लूट रहे हैं तो ग़रीब का क्या होगा? मेदांता में लूट मची है। वहाँ जो गरीब जा रहा है, उसका सीरिंज लगाकर खून निकाल ले रहे हैं। इसकी शिकायत उन्होंने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से भी की है। राजभर ने लोगों से सरकारी अस्पताल में इलाज कराने की भी सलाह दी।

04 लाख रुपए ले लिए चार दिन में इलाज के नाम पर

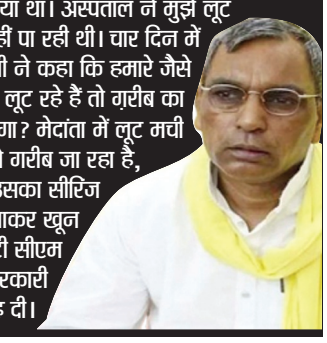

तीसरे चरण की 94 सीटों के लिए नामांकन आज से

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए तीसरे चरण के लिए नामांकन आज से शुरू हो गए। इसमें 12 राज्यों की 94 सीटों पर प्रत्याशी अपना नॉमिनेशन दाखिल करेंगे। 19 अप्रैल नामांकन जमा करने आखिरी तारीख है। पहले चरण के लिए जिन कैंडिडेट्स ने नामांकन दाखिल कर दिया है, उनमें सबसे अमीर कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ हैं। उनकी चल-अचल संपत्ति 717 करोड़ है।

2024 का लोकसभा चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की दौलत अचल से ज्यादा चल संपत्तियों के रूप में है। पहले चरण के 10 सबसे अमीर प्रत्याशियों की कुल संपत्ति 2,664 करोड़ रुपए है। इसमें चल संपत्ति 1,815 करोड़, जबकि अचल संपत्ति 849 करोड़ रुपए की ही हैं। एडीआर की रिपोर्ट के विश्लेषण में सामने आई है।

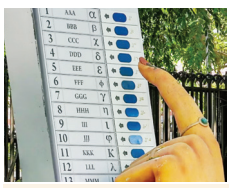

» 12 राज्यों में ताल ठोंकेंगे प्रत्याशी

बीजेपी कर रही आप सरकार को गिराने की साजिश : आतिशी

» बोलीं- अधिकारी बैठक में नहीं आ रहे, राष्ट्रपति शासन लगाना चाहती है मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की मंत्री और आप नेता आतिशी ने एकबार फिर बीजेपी पर हमला बोला है। साथ उन्होंने बीजेपी पर साजिश करने का आरोप लगाया। उनका का कहना है कि दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने बैठक में शामिल होना बंद कर दिया है।

इन सभी चीजों से पता चलता है कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार को गिराने और राष्ट्रपति शासन लागू करने की साजिश चल रही है। केजरीवाल दिल्ली की शराब नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अभी जेल में हैं। आतिशी ने कहा, अरविंद केजरीवाल की सरकार के खिलाफ एक बहुत बड़ा राजनीतिक षडयंत्र तैयार किया जा रहा है। आने वाले कुछ दिनों में भाजपा शासित केंद्र सरकार दिल्ली में राष्ट्रति शासन लगाने वाली है।

राशन नहीं मोदी सरकार से नौकरी मांगें : आकाश

बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक ने सपा भाजपा व कांग्रेस पर बोला हमला

» बाबरी मस्जिद बनेगी तो बसपा साथ खड़ी होगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा के राष्ट्रीय समन्वयक और पूर्व सीएम मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने बीजेपी सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नौकरी के नाम पर भाजपा ने युवाओं को भटकाया और कटोरा थमाया है। बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने कहा कि भाजपा 10 साल से सत्ता में है। रोजगार देने का वादा किया, पर नौकरी कहां है। अब वोट मांगें तो उनसे नौकरी पर सवाल करो। 6000 रुपये सालाना का राशन मत लो। जो देने आए, उसके मुंह पर थैला फेंककर मारना। सवाल पूछना कि ढाई लाख रुपये सालाना की नौकरी कहा हैं। गुजरात का यह मॉडल उनकी समझ से परे है।

ये यूपी के युवा उनके भ्रम में नहीं आएंगे। पेपर लीक से उनका भविष्य खराब हो रहा है। अब बदले में उन्हें कटोरा देंगे। आनंद बृहस्पतिवार को शहर के लक्ष्मीनगर स्थित पुराने सुभाष इंटर कॉलेज के मैदान पर बसपा प्रत्याशी सुरेश सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कांग्रेस वाले जब साठ साल तक सत्ता में थे, तब कहां थे। जब भाजपा वीपी सिंह की सरकार गिरा रही थी, तब कांग्रेस के मुंह से आवाज नहीं निकली। जब बाबा साहब को भारत रत्न देने की मांग उठी, तब कांग्रेसी कहां थे। उत्तर प्रदेश सरकार खुद को बुलडोजर सरकार कहती है। किसी का घर बुलडोजर से उखाड़ोगे तो क्या अच्छी बात होगी। वहीं ईद के मौके पर मुस्लिम कार्ड खेलते हुए कहा कि भाजपा ने राम मंदिर बनाया अच्छी बात है, लेकिन जब बाबरी मस्जिद बनेगी तो बसपा साथ खड़ी होगी। वह लोकसभा चुनाव में मथुरा में बसपा प्रत्याशी के समर्थन में बोल रहे थे। आकाश आनंद ने कहा कि मुस्लिम समाज ने सपा को एकतरफा वोट दिया, लेकिन अब उन पर अत्याचार हो रहा है और सपाई मुंह नहीं खोल रहे हैं। सपा अपनी लाल टोपी अपने पास रखें। इस बार सपा की साइकिल का टायर अलग और सीट अलग है।

बीएसपी ने जारी की 9 प्रत्याशियों की सूची

बहुजन समाज पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए 9 प्रत्याशियों की एक और सूची जारी की है। इसमें गोरखपुर, बस्ती समेत कुल 9 सीटों पर नाम हैं। ये बसपा की चौथी लिस्ट है। इस लिस्ट में मायावती ने आजमगढ़ से भीम राजभर, घोसी से बालकृष्ण चौहान को मैदान में उतारा है। बसपा ने एटा लोकसभा सीट से मो. इरफान, धौरहरा से श्याम किशोर अवस्थी, फैजाबाद से सच्चिदानंद पांडेय, बस्ती से दयाशंकर मिश्रा, गोरखपुर से जावेद सिमनानी, चंदौली से सत्येंद्र कुमार मौर्य और रॉबर्टगंज से धनेश्वर गौतम को उम्मीदवार बनाया है। बहुजन समाज पार्टी ने अभी तक 45 प्रत्याशियों का एलान कर दिया है। लोकसभा चुनाव 2024 में बसपा अकेले चुनाव लड़ रही है। वह न तो भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का हिस्सा है और न ही समाजवादी पार्टी और कांग्रेस नीत भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन यानी इंडिया अलायंस में शामिल हैं।

नीला पटका पहनने वाले बहुरूपियों से रहना सावधान

आकाश आनंद ने युवाओं से कहा कि वह नीला पटका पहनकर आने वाले बहुरूपियों से सावधान रहें। वह विरोधी दलों के स्लीपर सेल हैं, जो समाज को तोड़ने के लिए भेजे गए हैं। स्लीपर सेल की तरह बहुरूपिए भेज रहे हैं जो नीला पटका पहनकर वोट मांगने आ रहे हैं। उन्हें पहचानिए। युवा ऐसे लोगों से सतर्क रहें। ये सपा, कांग्रेस, भाजपा के चमचे हैं। भाजपा नौकरियों में आरक्षण खत्म कर रही है। यह बहुजन समाज के बच्चों को पढ़ने नहीं देंगे। जब पढ़ेंगे नहीं तो नौकरी में कैसे आएंगे और आरक्षण कैसे पाएंगे।

बसपा इलेक्टोरल बॉन्ड से नहीं कार्यकर्ताओं के पैसे से चलती है

बसपा नेता ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड में देश की 25 पार्टियों के नाम हैं, पर बसपा का नहीं है। बसपा कार्यकर्ताओं के पैसे से चलती है, न कि धन्नासेठों के चंदे से। सपा पर आकाश ने कहा कि लाल टोपी पर साइकिल से आने वाले हमें टोपा पहना गए। उनकी साइकिल में हवा नहीं है। मुस्लिमों ने वोट दिए, पर उनके लिए एक शब्द नहीं बोलते। कांग्रेस पर हमला करते हुए बोले कि जो कांग्रेस 60 साल में वादे पूरे नहीं कर पाई, वह पांच साल में क्या करेगी।

दुनिया भर के मुसलमान कठिन दौर से गुजर रहे : फारूक

» बोले- इसी हफ्ते करेंगे दो और लोस उम्मीदवारों का एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में बुधवार को नमाज अता करने के बाद मीडिया से रूबरू होते हुए फारूक अब्दुल्ला ने लोगों को ईद की मुबारक देते हुए कहा कि दुनिया भर के मुसलमान कठिन दौर से गुजर रहे हैं। उन्हें दुख है कि फिलिस्तीन में हत्याओं पर इस्लामी सरकारें चुप हैं।

साथ ही उन्होंने लोकसभा चुनाव को लेकर कहा कि इस सप्ताह श्रीनगर और बारामुला सीट पर उम्मीदवारों के नाम एलान किया जाएगा। अब्दुल्ला ने कहा, अल्लाह मुसलमानों पर रहम करे। मुसलमान हर जगह मुश्किल हालात से गुजर रहे हैं। अपना देश हो या फिलिस्तीन हो...जरूरी है कि हम दोस्ती में रहें। हम दोस्ती से ही आगे बढ़ सकते हैं। दुश्मनी में हम तरक्की नहीं कर सकते।

फलस्तीन को आजाद किया जाना चाहिए : महबूबा

महबूबा मुफ्ती ने नमाज अता करने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि हम सभी को जरूरतमंदों के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। फलस्तीन को आजाद किया जाना चाहिए। इसके पक्ष में उन्होंने नारे भी लगाए। साथ ही उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों को कठिन परिस्थिति से गुजर रहे हैं। इन हालातों से बाहर निकालने के लिए प्रार्थना करें।

भाजपा नेताओं ने रुकवाई केंद्र से मिलने वाली आर्थिक मदद : प्रतिभा

» आपदा में पीएम ने भी कोई वादा पूरा नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने भाजपा पर आरोप लगाया है कि उन्होंने आपदा के समय न तो आपदा प्रभावित लोगों की मदद की और न ही राज्य सरकार के साथ राहत कार्यों में कोई सहयोग दिया। भाजपा नेताओं ने केंद्र सरकार से मिलने वाली आर्थिक मदद को भी रुकवाया। केंद्र सरकार ने जितना भी पैसा प्रदेश को आपदा के दौरान जारी किया, वह हर राज्य को हर साल ऐसी आपदाओं से निपटने को जारी किया जाता है।

आपदा के समय प्रदेश सरकार ने अपने सीमित संसाधनों के बावजूद आपदा प्रभावित लोगों की पूरी मदद की।

भाजपा लोगों को गुमराह कर रही

सरकार के सभी मंत्री, विधायक प्रशासन के साथ सड़कों पर उतरे और राहत कार्यों को रिकॉर्ड समय पर पूरा कर लोगों को राहत दी। सरकार ने 4500 करोड़ रुपये का आपदा राहत कोष स्थापित किया। प्रदेश सरकार ने केंद्र से विशेष राहत की मांग करते हुए आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की थी। इस बारे में वह स्वयं भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली थी और उनसे आपदा से निपटने के लिए विशेष आर्थिक मदद की गुहार लगाई।

लोगों को गुमराह कर रहा विपक्ष : राजनाथ

» बोले- इन लोगों को अदालतों पर भरोसा नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का बयान सामने आया है। जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर राजनाथ सिंह ने कहा कि विपक्ष लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। राजनाथ ने कहा कि अगर संजय सिंह को कोर्ट से राहत मिल सकती है तो केजरीवाल को क्यों नहीं मिली। राजनाथ सिंह ने कहा कि विपक्षी दल अपनी गलतियों और कमजोरियों को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं।

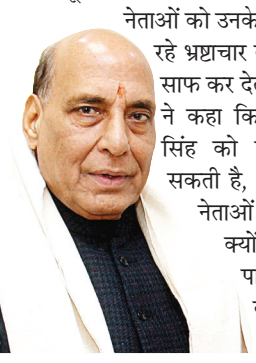

उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को भी खारिज कर दिया कि भाजपा की वॉशिंग मशी दूसरे दलों से इसमें शामिल होने वाले नेताओं को उनके खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों को साफ कर देती है। राजनाथ ने कहा कि अगर संजय सिंह को जमानत मिल सकती है, तो अन्य पार्टी नेताओं को ऐसी राहत क्यों नहीं मिल पाई है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि विपक्ष को अदालतों पर भरोसा नहीं है। अगर अदालतों में खिलाफ फैसला आता है तो हम उसे स्वीकार करेंगे।

ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग अपना काम कर रहे

आम आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर, राजनाथ ने कहा कि ईडी और सीबीआई और आयकर विभाग सब अपना काम कर रहे हैं। सब भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने पर लगे हैं और यही प्रधानमंत्री का संकल्प है। वहीं केजरीवाल से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए राजनाथ ने पूछा कि उन्हें अदालतों से राहत क्यों नहीं मिली। अगर यह मान भी लिया जाए कि वह हमारी वजह से जेल गए, तो उन्हें राहत क्यों नहीं मिल रही है? क्या हमने अदालतों पर भी कब्जा कर लिया है? ये लोग क्या कहना चाह रहे हैं? राजनाथ ने कहा कि कुछ देर बाद ये लोग यह भी कहेंगे कि भाजपा ने अदालतों पर कब्जा कर लिया है, लेकिन क्या ये संभव है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

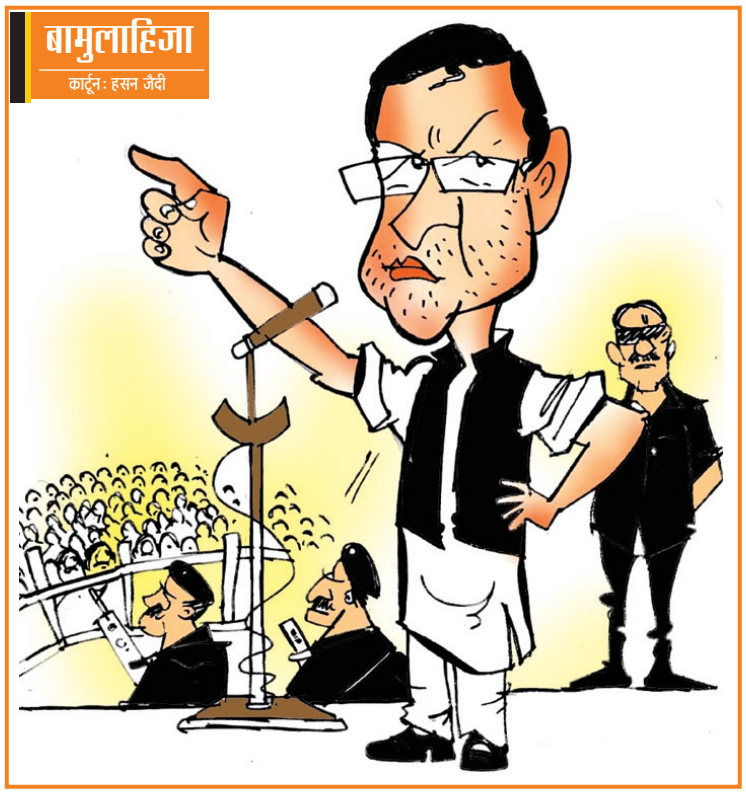

बुरे फंसे बृजभूषण शरण सिंह, एफआईआर दर्ज

» बिना अनुमति निकाल रहे थे वाहनों का काफिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। आचार संहिता उल्लंघन में भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी फंस गए हैं। बिना अनुमति के वाहनों का काफिला निकालने के मामले में बृजभूषण पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। साथ ही उन्हें नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा सांसद के काफिले के बारे में सूचना न देने वाले तीन पुलिस निरीक्षकों से भी जवाब तलब किया गया है।

उपजिलाधिकारी करनैलगंज की ओर से सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह को बृहस्पतिवार को नोटिस जारी किया गया है। पूर्वानुमति के बिना एक दर्जन से अधिक वाहनों का काफिला निकालने तथा धारा 144 का उल्लंघन करने के चलते केस दर्ज कराया गया है। उनसे जवाब तलब किया गया है। वहीं, इस प्रकरण में कटराबाजार, परसपुर व करनैलगंज के प्रभारी निरीक्षकों से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्हें स्पष्ट करना होगा कि उनके क्षेत्रों में धारा 144 के उल्लंघन के संबंध में सूचना उपजिलाधिकारी करनैलगंज के कार्यालय में क्यों उपलब्ध नहीं कराई गई।

बंगाल में मुद्दा बनेगा 'बवाल'

- ईडी पर हमले को लेकर सियासत हाई
- बीजेपी ने ममता के खिलाफ खोला मोर्चा
- टीएमसी अब भी मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। बंगाल में बीजेपी व टीएमसी के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है। हालांकि दोनों पार्टियों ने अपने-अपने जीत के दावे किए हैं। 4 जून को पता चल जाएगा कि जनता ने किसको खुश किया और किसको नाराज किया। सदेंशखाली, ईडी पर हमले के सहारे बीजेपी टीमएसी को घेर रही है और लोकसभा चुनाव में सीटें जीतने की बात कर रही है। कुल मिलाकर बवाल के सहारे बीजेपी बंगाल पर कब्जा करना चाहती है जबकि टीमएसी व ममता अपने शाासन के समय किए गए काम सहारे लोक सभा में सीटों की संख्या बढ़ाने की जुगत में है।

गंगा के मैदानी इलाकों के साथ ही जंगलमहल इलाका, उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल का मतुआ बहुल इलाका अहम भूमिका निभाएगा। मतुआ वोट बैंक को मजबूत करने के लिए ही भाजपा ने चुनाव से ठीक पहले नागरिकता (संशोधन) कानून लागू करने का फैसला किया है। राज्य में करीब एक करोड़ आबादी वाला मतुआ समुदाय 5 सीटों (बशीरहाट, बनगांव, कृष्णनगर, जलपाईगुड़ी और अलीपुर) पर असर डालता है क्योंकि, यहां इनकी आबादी 25-30प्रतिशत तक है। पूर्वी मिदनापुर में एनआईए टीम पर हमले के बाद लोकसभा चुनाव से पहले बंगाल की राजनीति गरमा गई है। इस घटना पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। ह्यप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य में ममता बनर्जी की टीएमसी सरकार पर जबरन वसूली करने वालों और भ्रष्ट नेताओं को बचाने का आरोप लगाया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने तुरंत प्रतिक्रिया दी क्योंकि उन्होंने आरोप लगाया कि संघीय एजेंसियां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले केंद्र के विस्तारित हथियार के रूप में काम कर रही हैं।

2019 में किसे कितने वोट

टीएमसी 22 सीट	43.3 प्रतिशत
बीजेपी 18 सीट	40.2 प्रतिशत
कांग्रेस 2 सीट	5.61 प्रतिशत
सीपीएम 0 सीट	6.28 प्रतिशत

अल्पसंख्यक वोटों पर टीएमसी की पकड़

टीएमसी अपने अल्पसंख्यक वोट बैंक को बचाने की कवायद में जुटी है। इसी वजह से उसने कांग्रेस और सीपीएम के साथ तालमेल की बजाय अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। मोटे अनुमान के मुताबिक, राज्य में इस तबके की आबादी 30न से ज्यादा है। पिछली बार अल्पसंख्यक वोटों के विभाजन के कारण भाजपा को उत्तर दिनाजपुर और मालदा जिलों की एक-एक सीट पर जीत मिली थी। टीएमसी का लक्ष्य अबकी इस बिखराव को रोकना है। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी को शिक्षक भर्ती घोटाले और राशन घोटाले में तमाम मंत्रियों नेताओं के जेल में रहने का खामियाजा उठाना पड़ सकता है।

सीएए का पड़ेगा प्रभाव?

भाजपा और तृणमूल के बीच कांटे की टक्कर में गंगा के मैदानी इलाकों के साथ ही जंगलमहल इलाका, उत्तर बंगाल और दक्षिण बंगाल का मतुआ बहुल इलाका अहम भूमिका निभाएगा। मतुआ वोट बैंक को मजबूत करने के लिए ही भाजपा ने चुनाव से ठीक पहले नागरिकता (संशोधन) कानून लागू करने का फैसला किया है। राज्य में करीब एक करोड़ आबादी वाला मतुआ समुदाय 5 सीटों (बशीरहाट, बनगांव, कृष्णनगर, जलपाईगुड़ी और अलीपुर) पर असर डालता है क्योंकि, यहां इनकी आबादी 25-30 प्रतिशत तक है।

कई रिकॉर्ड टीएमसी के नाम

बंगाल में किसी एक लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा सीटें जीतने का रिकॉर्ड टीएमसी के नाम है। 2014 में 42 में से 34 सीटें जीती थीं। टीएमसी 2009 के लोकसभा चुनाव से लगातार सबसे ज्यादा सीटें जीत रही है। 2009 में 19 और 2019 में 22 सीटें जीतीं।

बीजेपी का 42 में से 26 सीटें जीतने का लक्ष्य

गंगा के मैदानी इलाके अपनी 16 सीटों के कारण काफी अहम हैं। यहां संगठन की मजबूती के बल पर टीएमसी भाजपा से आगे नजर आती है। उत्तर बंगाल में भी टीएमसी ने अपने पैरों तले की खिसकती जमीन बचाने के लिए आदिवासियों के लिए कई विकास योजनाएं शुरू की है। उधर, अबकी बार चार सौ पार के नारे के साथ मैदान में उतरी भाजपा ने राज्य की 42 में से कम से कम 26 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। टीएमसी ने भी ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतने की कोशिश में 26 नए चेहरों को मैदान में उतारा है।

आंध्र प्रदेश में दिखेगा त्रिकोणीय मुकाबला

- राज्य में लोस व विस के एक साथ होंगे चुनाव
- बेरोजगारी, महंगाई, विशेष राज्य का दर्जा, हैं प्रमुख चुनावी मुद्दे
- वाईएसआरसीपी, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक और बीजेपी-टीडीपी-जेएसपी गठबंधन में टक्कर
- विशेष श्रेणी का दर्जा (एससीएस) की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। दक्षिण भारत में भी लोकसभा चुनाव पर माथापच्ची जारी है। कांग्रेस व बीजेपी तथा उनके सहयोगी जनता के बीच जाने लगे है। महत्वपूर्ण राज्य आंध्र प्रदेश 2024 में एक साथ विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए तैयारी कर रहा है। राज्य में इस बार सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी, कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक और बीजेपी-टीडीपी-जेएसपी गठबंधन के बीच त्रिकोणीय लड़ाई देखने की संभावना है।

अपने सीट-बंटवारे के फॉर्मूले के तहत, भाजपा छह लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि टीडीपी 17 संसदीय सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण की जेएसपी ने गठबंधन समझौते के तहत दो लोकसभा सीटें हासिल की हैं। आंध्र प्रदेश में 2004 और 2009 में कांग्रेस के प्रभुत्व के बाद, क्षेत्रीय दल मजबूत हुए और बाद के चुनावों में सबसे पुरानी पार्टी को परास्त कर दिया। 2014 के आम चुनाव के दौरान, टीडीपी ने 15 सीटें जीतीं, वाईएसआरसीपी ने आठ सीटें जीतीं और भाजपा दो निर्वाचन क्षेत्रों में विजयी हुई। हालाँकि, 2019 में, वाईएसआरसीपी ने 22 सीटों के साथ एक प्रमुख प्रदर्शन किया, जबकि टीडीपी सिर्फ तीन सीटों पर जीत हासिल कर पाई। विशेष श्रेणी दर्जे (एससीएस) की मांग तब से एक लंबे समय से चली आ रही मुद्दा रही है, जब पहली बार 2014 में इसका वादा किया गया था। राज्य के विभाजन के बाद शुरुआत में आंध्र प्रदेश के लिए वादा किया गया था, लेकिन इसे अभी तक पूरा नहीं किया गया है, जिससे लोगों में व्यापक असंतोष पैदा हो गया है।

घोटाले और कानूनी लड़ाई पर रार

पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू कानूनी परेशानियों का सामना कर रहे हैं, खासकर कौशल विकास घोटाले को लेकर। जबकि टीडीपी ने नायडू के खिलाफ कानूनी कार्यवाही का विरोध किया है। चंद्रबाबू नायडू भी सत्तारूढ़ पार्टी पर हमलावर रहते हैं। रोजगार के अवसर मतदाताओं के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय हैं, हाल के सर्वेक्षण में 67न उत्तरदाताओं ने इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के रूप में स्थान दिया है। टीडीपी ने युवाओं और पहली बार मतदाताओं से अपील करने के लिए अपना नारा जॉब रवलंते बाबू रावली (नौकरियां तभी आएंगी जब बाबू सत्ता में आएंगे) जारी किया है।

महंगाई और भ्रष्टाचार पर भी वार-पलटवार

मुद्रास्फीति (35प्रतिशत) और भ्रष्टाचार (26प्रतिशत) भी मतदाताओं के लिए प्रमुख चिंताएं हैं, जो स्थिर कीमतें और स्वच्छ शासन चाहते हैं। टीडीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू ने आंध्र प्रदेश में वाईएसआरसीपी सरकार के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार, काले धन और अनियमितताओं का आरोप लगाया।

मोदी व नायडू पर रहेगी नजर

आने वाले चुनावों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता अहम भूमिका निभाएगी, खासकर बीजेपी समर्थकों के बीच। हाल ही में हुए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि बीजेपी के लगभग आधे (49प्रतिशत) मतदाता केवल पीएम मोदी की लोकप्रियता के कारण किसी उम्मीदवार का समर्थन करने को तैयार हैं। वहीं पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू पर भी सबकी नजर रहेगी।

धार्मिक मामले भी बनेंगे चर्चा का विषय

एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, 17प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि धर्म उनके मतदान निर्णय को प्रभावित करेगा। इससे पहले, मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी पर ईसाई हितों का समर्थन करने, कथित तौर पर अनियंत्रित धर्मांतरण गतिविधियों की अनुमति देने और ईसाइयों के लिए राजनीतिक शक्ति सुरक्षित करने के लिए आरक्षण में हेरफेर करने का आरोप लगाया गया था।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अवसरवादी सियासत लोकतंत्र के लिए खतरा

समय-समय पर राजनीति में साफ करने की चर्चा होती रहती है। चुनावों में भी सुधार पर बात होती है। पर ढाक के वहीं तीन पात है। चुनावों के आते ही जो नेता जिस दल को पानी पी-पीकर कोसते थे वहीं नेता उसी दल की गोद में बैठ जाते हैं। उन नेताओं पर तो कोई फर्क नहीं पड़ता पर उनकी इस अवसरवादिता का असर मतदाता पर बहुत ज्यादा पड़ता है। मतदाता अपने को ठगा हुआ सा महसूस करता है। देश में लंबे समय से चुनाव सुधारों पर चर्चा चल रही है लेकिन चर्चा इस पर भी होनी चाहिए कि दलबदल का बढ़ता दौर कैसे रूके। राजनीति एवं राजनेताओं में नीति एवं सिद्धान्तों की बात प्रमुख होनी चाहिए लेकिन ऐसा न होना लोकतंत्र की बड़ी विसंगति है। कांग्रेस में लगातार वफादार नेताओं का पलायन जारी है, नये नामों में कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ, महाराष्ट्र के जिम्मेदार एवं पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम, बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, निशाना साधने वाले मुक्केबाज विजेंदर, आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं, जिन्होंने कांग्रेस को बाय-बाय कर दी है।

इन सभी ने कांग्रेस के मुद्दाविहीन होने, मोदी के विकसित भारत के एजेंडे, राहुल गांधी की अपरिपक्व राजनीति एवं कांग्रेस की सनातन-विरोधी होने को पार्टी से पलायन का कारण बताया है। कुछ भी कहे, यह राजनीति में अवसरवाद का उदाहरण है, इस तरह का बढ़ता दौर चिंताजनक है। भारत की राजनीति में दलबदल की विसंगति एवं विडम्बना आजादी के बाद से लगातार देखने को मिलती रही है। पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं। दलबदल के बढ़ते दौर ने अनेक सवाल खड़े किये हैं। कल तक विपक्ष में जो नेता दागी होते थे, सतारूढ़दल में शामिल होने के बाद ऐसा क्या हो जाता है कि उनके दाग दाग नहीं रहते। राजनीति में निष्ठाएं बदलने की स्थितियां आम नागरिकों को उद्वेलित कर रही हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है। राजनीतिक दलों को इस बड़ी विसंगति एवं अवसरवादिता पर विचार तो करना ही चाहिए कि आखिर कौन, किस इरादे से पार्टी में आ रहा है। ऐसे ढेरों उदाहरण मौजूद हैं कि नामी-गिरामी लोगों ने राजनीति में प्रवेश किया, टिकट भी मिला और चुनाव जीते भी। उसके बाद जनता से जुड़ ही नहीं पाए और अगले चुनाव में इनका टिकट कट गया। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो निष्पक्ष हो, ईमानदार हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजनहिताय का लक्ष्य लेकर चलने वाला हो। लेकिन स्वार्थी, अक्षम, दागी नेताओं को किसी भी दल में जगह देना यह उस दल की मजबूती एवं स्वस्थ राजनीति पर एक बदनुमा दाग है।

“ राजनीति एवं राजनेताओं में नीति एवं सिद्धान्तों की बात प्रमुख होनी चाहिए लेकिन ऐसा न होना लोकतंत्र की बड़ी विसंगति है। कांग्रेस में लगातार वफादार नेताओं का पलायन जारी है, नये नामों में कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ, महाराष्ट्र के जिम्मेदार एवं पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम, बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, निशाना साधने वाले मुक्केबाज विजेंदर, आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं, जिन्होंने कांग्रेस को बाय-बाय कर दी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भीमराव अंबेडकर और उनका प्रेरक व्यक्तित्व

डॉ. के.एल. जौहर

आजकल डॉक्टर अंबेडकर और उन द्वारा निर्मित संविधान एक चर्चा का विषय बना हुआ है। विपक्ष सोचता है कि यदि मौजूदा सरकार फिर सत्ता में आई तो वह इस संविधान को बदल डालेगी परन्तु सरकार इस बात से इंकार करती है। इस स्थिती को यही छोड़ते हुए हम अंबेडकर के व्यक्तित्व पर दो शब्द लिखे। भीमराव अंबेडकर एक महान व्यक्तित्व के धनी थे। एक निर्धन परिवार से थे परन्तु अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, विस्तृत ज्ञान और छात्रवृत्ति के बलबूते पर उनकी सारी शिक्षा कोलंबिया यूनिवर्सिटी यू एस ए और फिर यू के में हुई। उन्होंने पीएचडी की उपाधि के साथ कानून की शिक्षा भी पास की। ये कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि वह बीसवीं शताब्दी में सबसे अधिक पढ़े-लिखे विद्वान थे।

उन्होंने अमेरिका और लंदन में सब जातियों में बराबरी और भाईचारे का अनुभव किया परन्तु जब वे 1917 में भारत लौटे तो एक विचित्र नक्शा उनकी आँखों के सामने आया। जाति,धर्म, भाषा के भेदभाव ने उनकी आत्मा को झिंझोर कर रख दिया। वे बहुत हद तक तो इस समस्या को अपनी बालावस्था में ही देख चुके थे। भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 में मध्य प्रदेश में हुआ। उनके साथ स्कूल में बहुत भेदभाव किया जाता। उनको कक्षा से दूर बैठाया जाता। वे उस नल से पानी भी नहीं पी सकते थे जिससे आम विद्यार्थी पानी पीते थे। जल्दी ही वे मध्य प्रदेश से महाराष्ट्र चले गए जो जीवन भर उनकी कार्यस्थली रही। अब तो उन्होंने समाज सुधार का बीड़ा उठाया। अनुसूचित जातियों का उत्थान उनका एकमात्र लक्ष्य था। उन्होंने कई समाचार पत्रों में इस आशय के लेख लिखे। कई पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जैसे मूकनायक, बहिस्कृत भारत और जनता। बहिस्कृत हितकारिणी सभा का गठन किया और अनुसूचित जातियों की दशा पर विस्तृत प्रकाश डाला। उनकी मान्यता थी कि हिन्दू धर्म ग्रन्थ मनुस्मृति ही एकमात्र इस भेदभाव का सूत्रधार है। अपने अनुयायिओं के साथ मनुस्मृति की हजारो प्रतियो को आग के हवाले किया। देश भर में घूमकर अनुसूचित जातियों के भेदभाव का मुद्दा उठाया।

डॉक्टर अंबेडकर महात्मा गाँधी से इस बात को लेकर रुष्ट थे कि उन्होंने अनुसूचित जातियों के लिए कुछ नहीं किया। उन दिनों जब गाँधी जी के नेतृत्व से कोई भी बड़े से बड़ा नेता नहीं उलझ पाता था,अंबेडकर ने अपनी आवाज उठाई। अब अंबेडकर अनुसूचित जातियों के नेता के रूप में अपनी पहचान बना चुके थे। उन्हें 1930,1931 और 1932 की गोलमेज काफ्रेंस में आमंत्रित किया गया। गांधीजी ने विरोध किया परन्तु सब बेअसर। गोलमेज काफ्रेंस की मंत्रणा के उपरांत कम्युनल अवार्ड की घोषणा हुई। गाँधी जी देशद्रोह के आरोप में जेल में बंद थे। उनहोने आमरण अनशन आरंभ कर दिया। अब तो सारा देश अंबेडकर पर दबाव डालने लगा कि वह गाँधी से मुलाकात करे। अंतत: ये मुलाकात 22 सितम्बर 1932 में हुई और पूना पैक्ट के रूप में एक समझौता सामने आया। गाँधी जी की जान बच गई परन्तु अंबेडकर अनुसूचित जातियों के लिए सुरक्षित क्षेत्र लेने में सफल हुए। परन्तु गाँधी और अंबेडकर में मननमुटाव जारी रहा। ये देखने और समझने की बात है कि अंबेडकर ने एक दिन भी स्वतंत्रता संग्राम में जेल नहीं काटी। उनका सबसे बड़ा हथियार था अनुसूचित जातियों का नेतृत्व, तीक्ष्ण बुद्धि और कानून पर पकड़। इसी बलबूते पर उन्हें संविधान

भीमराव अंबेडकर एक महान व्यक्तित्व के धनी थे। एक निर्धन परिवार से थे परन्तु अपनी तीक्ष्ण बुद्धि, विस्तृत ज्ञान और छात्रवृत्ति के बलबूते पर उनकी सारी शिक्षा कोलंबिया यूनिवर्सिटी यू एस ए और फिर यू के में हुई। उन्होंने पीएचडी की उपाधि के साथ कानून की शिक्षा भी पास की। ये कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि वह बीसवीं शताब्दी में सबसे अधिक पढ़े-लिखे विद्वान थे।

के निर्माण हेतु आमंत्रित किया गया और जो संविधान हम आज देखते है वो बाबासाहेब अंबेडकर की देन है। उनकी कानूनी पकड़ और सूझ-भूझ को देखते हुए पंडित नेहरू ने उनको 1946 में अपनी सरकार में सम्मिलित किया। वह 1951 तक कानून मंत्री रहे परन्तु फिर पंडित नेहरू से गंभीर भेदभाव होने पर अपने पद से त्यागपत्र दे दिया। 1952 में लोकसभा के लिए चुनाव में सफलता नहीं मिली। राज्य सभा के लिए मनोनित किये गए परन्तु चुनाव की राजनीती से दिल उकता गया। वे अस्वस्थ रहने लगे। उनकी इच्छा के अनुसार अनुसूचित जातियों का उत्थान भी नहीं हो रहा था। उन्होंने लाखो अनुयायिओं के साथ 14 अक्टूबर 1956 में नागपुर में बौद्ध धर्म अपनाया। 6 दिसंबर को उनका देहांत हो गया। 1990 में उन्हें भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार भारत रत्न से नवाजा गया। हजारों कॉलेज, स्कूल और विश्वविद्यालय इनके नाम पर स्थापित किये गए। देश-विदेश में इनकी पहचान बनी। ऐसे व्यक्तित्व का धनी भारतवर्ष के इतिहास में सदैव अमर रहेगा।

ऑनलाइन स्वाद के जहरीले सच की जवाबदेही

नरेश कौशल

पिछले दिनों एक परेशान करने वाली खबर अखबारों की सुर्खी बनी। पटियाला में जन्मदिन पर ऑनलाइन केक मंगवाकर खाने से एक बच्ची की मौत हो गई। इसके अलावा बच्ची का पूरा परिवार भी बीमार पड़ गया। विगत में ऑनलाइन मंगवाए गए जहरीला खाना खाने से मरने या बीमार होने के समाचार देश के दूरदराज के इलाकों से सामने आते रहे हैं। पटियाला की घटना की प्रारंभिक जांच से पता चला कि केक का ऑर्डर ऑनलाइन दिया गया था। सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात यह रही है कि जिस आउटलेट के नाम से कंपनी बनाई गई थी, उस जगह पर केक बनाने व सप्लाई करने वाली कोई कंपनी ही नहीं थी। न ही इस तरह का कोई आउटलेट ही वहां पाया गया था।

इसके बाद जब मामले ने तूल पकड़ा तो पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ कि विक्रेता के स्वामित्व वाली मूल बेकरी किसी दूसरे ही नाम से चल रही थी तथा ऑनलाइन आपूर्ति करने वाली कंपनी महज कागजों में थी और घर या स्टोर आदि से सामान बनाकर उपभोक्ताओं के ऑर्डर लिये और सप्लाई किये जा रहे थे। बहुत संभव है इसके मूल में आपराधिक सोच रही हो कि दूषित खाद्य पदार्थों की सप्लाई से कोई दुर्घटना होती है तो जनाक्रोश व पुलिस की कार्रवाई से बचा जा सके। लेकिन पुलिस इस मामले की तह तक पहुंची और मूल बेकरी के कुछ कर्मचारियों को गिरफ्तार भी किया गया और सूत्रधार की तलाश की जा रही है। बाकी घटनाक्रम की हकीकत पुलिस की इच्छाशक्ति और ईमानदार जांच से ही पता चल पाएगी। यहां सहज-सरल स्वाभाविक सवाल यह है कि देश में जब बाजार से मंगवाकर खाने-पीने की चीजों का कारोबार अंधाधुंध रूप से बढ़ रहा है तो क्या केंद्र व राज्य सरकारों की ओर से बाजार में बिकने वाले खाने की चीजों की गुणवत्ता की निगरानी के लिये कोई नये कायदे-कानून बने हैं? क्या इस उछाल मारते कारोबार पर नजर रखने के लिये कोई नियामक संस्था बनायी गई है? या फिर मानकर चलें कि सब रामभरोसे चल रहा है? सवाल यह भी है कि पुराने खाद्य वस्तु नियामक कानूनों को भी नागरिकों की स्वास्थ्य सुरक्षा की दृष्टि से अपडेट किया गया है? क्या इसमें ऐसे मामलों में घटिया खाद्य सामग्री सप्लाई करने वालों को दंडित करने के लिये कड़े प्रावधान हैं?

आये दिन ऑनलाइन खाने की चीजें सप्लाई करने में गड़बड़ियों के मामले सामने आते रहे हैं। आम लोगों को पता चलना चाहिए कि उन मामलों में क्या कार्रवाई हुई है! हम आए दिन फेमस कंपनियों की खाने की चीजें सप्लाई करने वाले बाइकरों के पीछे लगे गंदे-फटे बैग देखते हैं, जो शायद वर्षों से नहीं धुले होते हैं। जिन्हें देखकर मन खट्टा होता है। बहुत संभव है कि साफ-सफाई के अभाव में खाना खाने वाले व्यक्ति के घातक कीटाणुओं से संक्रमित होने की संभावना बन जाए। क्या जिन बैगों में खाने की चीजें उपभोक्ताओं तक पहुंचाई जाती हैं, उनकी नियमित साफ-सफाई होती है? क्या फूड कैरियर बैग्स को साफ सुथरा रखने की जिम्मेदारी आपूर्ति करने वाली कंपनियों की नहीं बनती? हम अपने घर में बनने वाले खाने को तैयार करने में साफ-सफाई की एक लंबी प्रक्रिया का ध्यान रखते हैं। हालांकि, वैसी साफ-सफाई की उम्मीद मुनाफे के लिये कारोबार करने वाली कंपनियों से तो नहीं ही की जा सकती, मगर नागरिकों की सेहत के लिये कैरियर बैग व बर्तनों को पहली नजर में तो कम से कम साफ सुथरा तो नजर आना ही चाहिए।

यह बात तो तय है कि यदि वैज्ञानिक तरीकों से खाने की चीजें सप्लाई करने वाले इन फूड कैरियर बैग्स की जांच की जाए तो ये पक्का नुकसान पहुंचाने वाले बेक्टेरिया से संक्रमित पाये जा सकते हैं। ऐसे में ऑनलाइन खाने की चीजें मंगवाने वाले लोगों के स्वास्थ्य के लिये जरूरी है कि इन फूड कैरियर बैगों को प्रतिदिन नियमित रूप से कैमिकली वॉश किया जाए। लेकिन फिलहाल इन गंदे बैगों को देखकर ऐसा होता नजर नहीं आता। दरअसल होना तो यह चाहिए कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच करने वाले फूड इंस्पेक्टरों को खाने के सामान की सप्लाई करने वाले आउटलेट, ढाबों व होटलों की नियमित जांच करनी चाहिए। साथ ही रास्तों में भी इन फूड कैरियरों की औचक जांच करनी चाहिए। ताकि सप्लाई करने वाली कंपनियां भी साफ-सफाई के प्रति सजग रहें और नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न हो सके। अक्सर सुनने में आता है कि फूड कैरियर ने खाने की वस्तुएं पहुंचाने में ऊंच-नीच की है।

ऐसे में कोई ऐसा मैकेनिज्म भी तो होना चाहिए, जिसके जरिये ऑनलाइन खाद्य पदार्थों की सप्लाई के लिये ओटीपी की व्यवस्था हो, जिसके बताने पर ही टिफिन बॉक्स का लॉक खुल सके। साथ ही खाद्य पदार्थों की सप्लाई करने वाले आउटलेट्स की खाने की चीजें बनाने की प्रक्रिया, पैकिंग और सप्लाई की कैमरे से निगरानी हो, ताकि जरूरत पड़ने पर गुणवत्ता की प्रामाणिक जांच की जा सके। दरअसल, ऑनलाइन खाने के सामान की आपूर्ति को नागरिकों के स्वास्थ्य के नजरिये से सुरक्षित बनाने के लिये देश में सख्त कानूनों की जरूरत है। यदि मिलावट व घटिया सामान कस्टमर को देने पर दंड के कड़े प्रावधान होंगे, तो सामान बेचने वाले आउटलेट, होटल व ढाबों के मालिकों को जिम्मेदार व जवाबदेह बनाया जा सकेगा। जहां मिलावट व लापरवाही से किसी की जान जाने का मामला हो, वहां उम्रकैद व भारी जुर्माने का प्रावधान होना चाहिए। साफ है कि किसी उपभोक्ता के जीवन से खेलने का किसी को भी अधिकार नहीं है।

माता को भोग लगाने के लिए बनाएं ये पकवान

हर साल चैत्र नवरात्रि चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से आरंभ हो जाती है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि व्रत 9 अप्रैल से शुरू हो गये हैं जो 17 अप्रैल को समाप्त होंगे। मान्यता है कि इन नौ दिनों में जो भी लोग सच्चे मन से माता रानी की पूजा करते हैं, उनकी हर मनोकामना पूरी होती है। बहुत से लोग पूजा-अर्चना करने के साथ-साथ नौ दिन व्रत रखते हैं। व्रत रखने वालों में बहुत से लोग तो काफी सख्ती से इसका पालन करते हैं, लेकिन कई लोग फलाहार खाते-पीते नौ दिन का व्रत रखते हैं। व्रत के लिए फलाहारी थाली तैयार करना काफी आसान है। बस कुछ पकवानों को बनाकर आप फलाहारी तैयार कर सकती हैं। आप माता रानी को भी फलाहारी थाली का भोग लगा सकती हैं।

साबूदाना की खिचड़ी

साबूदाना खिचड़ी हर किसी को पसंद आती है। ऐसे में आप अपनी फलाहारी थाली को पूरा करने के लिए स्वादिष्ट साबूदाना खिचड़ी जरूर बनाएं। बच्चों से लेकर बड़ों तक को ये खिचड़ी स्वादिष्ट लगती है। व्रत में ऊर्जावान रहने के लिए आप साबूदाने की खिचड़ी डाइट में शामिल कर सकते हैं। ये कई सारे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसके अलावा साबूदाने में आयरन, कॉपर, विटामिन बी-6 और कॉपर भरपूर मात्रा होता है। आप साबूदाने से बने पकोड़े और खीर का सेवन भी कर सकते हैं। साबूदाने की खिचड़ी में पोटैशियम होता है। ये ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाने में मदद करता है। ये ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

फ्रूट रायता

ज्यादातर लोग व्रत में रायता खाना पसंद करते हैं। इसकी वजह से गर्मी के मौसम में शरीर काफी हाइड्रेट रहता है। ऐसे में आप इस मौसम में मौसमी फलों वाला फ्रूट रायता बना सकती हैं। फलों से तैयार यह रायता पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर होता है। इसके सेवन से शरीर की गर्मी दूर होकर ठंडक का अहसास होता है। पाचन तंत्र व इम्यूनिटी तेजी से बढ़ने में मदद मिलती है।

सूखी अरबी

सूखी अरबी खाने में काफी स्वादिष्ट लगती हैं। चटाकेदार सूखी अरबी को आप फलाहारी थाली में बनाकर अपने परिवारवालों का दिल भी जीत सकती हैं। इसके अलावा अरबी सेहत का खज़ाना माना जाता है। इसमें मैग्नीशियम, आयरन, कॉपर, जिंक, फॉस्फोरस, पोटैशियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो कई तरह की स्वस्थ संबंधी रोगों को दूर रखता है। अरबी का सेवन हमारी इम्युनिटी बढ़ाता है और पेट का भी ख्याल रखता है।

मखाने की खीर

व्रत में मखाने की खीर खाने से आपका पेट पूरा दिन भरा रहेगा। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होती है। ऐसे में घर पर फलाहारी थाली में मखाने की खीर जरूर बनाएं।

आलू की सब्जी

व्रत में ज्यादातार लोगों को आलू की सादी सब्जी खाना पसंद होता है। क्योंकि इसमें ज्यादा मसाले नहीं होते हैं, ऐसे में इसे खाने के बाद आपको किसी तरह की कोई परेशानी नहीं होगी। इसे बनाने के बाद सब्जी में धनिया पत्ती जरूर डालें। जिससे स्वाद बढ़ जाता है।

कुट्टू का पराठा

वैसे तो लोग अक्सर कुट्टू की पूड़ी बनाकर खाना पसंद होता है, लेकिन आप चाहें तो कुट्टू का पराठा बना सकती हैं। इसकी वजह से कि ज्यादा तेल खाने से आपको परेशानी हो सकती है, ऐसे में कम तेल वाला पराठा आपके स्वास्थ्य को भी ठीक रखेगा। इसके अलावा इसमें भरपूर मात्रा में प्रोटीन, मैग्नीशियम, विटामिन-बी, आयरन, कैल्शियम, फॉलेट, जिंक, कॉपर, मैग्नीज और फासफोरस पाया जाता है। इसमें मौजूद फाइटोन्यूट्रिएंट रूटीन कोलेस्ट्रोल और ब्लड प्रेशर को कम करता है। जो लोग सेलियक रोग से पीड़ित हैं उन्हें इसे खाने की सलाह दी जाती है।

हंसना मना है

एक शराबी ने दोस्तों के साथ पार्टी का प्रोग्राम बनाया और अपने ही घर से रात को बकरा चोरी किया और खूब दावत की! सुबह जब घर पहुंचा तो बकरा घर पर ही खड़ा था। शराबी ने अपनी बीवी से पूछा- बकरा कहां से आया...? बीवी (गुस्से में) - बकरे को गोली मारो, रात से अपना कुत्ता गायब है...!!!

पति-पत्नी का एक घंटे से चल रहा झगड़ा पति द्वारा बोली गई सिर्फ एक लाइन से खत्म हो गया.. और वो लाइन थी- सुंदर हो तो कुछ भी बोलोगी क्या?

पत्नी - सुनो जी, अगर मै वक्त होती तो शायद सबको मेरी बहुत ज्यादा कद्र होती ना...? पति - हां प्रियतम, तुम्हारा खौफ होता चारों तरफ! पत्नी - खौफ क्यों होता...? पति - अरे, तुम्हें देखते ही लोग सहम जाते और कहते देखो बुरा वक्त आ रहा है...!!!

संता उदास बैठा था... बंता- क्या हुआ, उदास क्यों बैठा है...? संता- क्या बताऊं यार, किसी ने कहा कि पेड़ से हमें शीतल छाया मिलती है, मैं यहां पेड़ के नीचे तीन दिन से बैठा हूं, लेकिन न तो शीतल आयी और न छाया...!

कहानी - शेर और चूहा

एक बार की बात है, किसी जंगल में एक चूहा रहता था। एक दिन जब वो अपनी बिल की तरफ लौट रहा था, तो उसने एक गुफा में एक शेर को आराम करते देखा। शेर को मजे में सोते हुए देख चूहे के मन में शरारत सूझी। चूहा शेर की गुफा में जा घुसा और शेर के ऊपर चढ़ गया। वह शेर के ऊपर खूब उछल-कूद करने लगा और उसके बाल खींचने लगा। चूहे की शरारतों से शेर की नींद खुल गई और उसने चूहे को अपने नुकीले पंजों में दबोच लिया। चूहे ने जब शेर के पंजे में खुद को पाया, तो वो समझ चुका था कि शेर के गुस्से से अब उसे कोई नहीं बचा सकता और आज उसकी मौत तय है। चूहा बुरी तरह डर गया और रो-रोकर शेर से विनती करने लगा कि शेर जी, मुझे मत मारो, मुझसे भूल हो गई, मुझे जाने दो। अगर आज आप मुझे जाने देंगे, तो मैं आपके इस उपकार के बदले भविष्य में जब भी आपको किसी मदद की जरूरत होगी, मैं आपकी मदद करूंगा। चूहे की बातें सुनकर शेर की हंसी निकल गई। शेर ने कहा कि तुम तो खुद इतने छोटे हो, मेरी मदद क्या करोगे। चूहे की विनती सुनकर शेर को उस पर दया आ गई और उसने चूहे को छोड़ दिया। चूहे ने शेर को धन्यवाद बोला और वहां से चला गया। कुछ दिनों बाद जब शेर खाने की तलाश में इधर-उधर घूम रहा था, तभी अचानक किसी शिकारी के फैलाए जाल में फंस गया। शेर ने खुद को जाल से निकालने की भरपूर कोशिश की, लेकिन निकल नहीं पाया। काफी देर कोशिश करने के बाद शेर ने मदद के लिए दहाड़ लगानी शुरू की। उसी वक्त वो चूहा उधर से गुजर रहा था कि उसने शेर की दहाड़ने की आवाज सुनी। वो भागकर शेर के पास गया और शेर को जाल में फंसा देख चौंक गया। उसने बिना देर करते हुए अपने नुकीले दांतों से जाल को काटना शुरू किया और कुछ ही देर में उसने पूरे जाल को काटकर शेर को आजाद कर दिया। चूहे की इस मदद से शेर की आंखें भर आईं और नम आंखों से शेर ने चूहे को धन्यवाद किया और दोनों वहां से चले गए। फिर शेर और चूहा अच्छे दोस्त बन गए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। यात्रा व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। कानूनी मामलों में लापरवाही न करें।

वृषभ विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी का पूर्ण ध्यान रखें।

मिथुन बुरी खबर मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दौड़धूप अधिक होगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। मकान व जमीन संबंधी कार्य बनेंगे।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। निवेश, यात्रा व नौकरी लाभ देंगे। अपने प्रयासों से उन्नति पथ प्रशस्त करेंगे।

सिंह अतिथियों का आगमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। स्वाभिमान रहेगा। प्रमाद न करें। बुद्धि चातुर्य से कठिन कार्य भी आसानी से बनेंगे।

कन्या यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। भौतिक विकास के कार्यों को बल मिलेगा। भागीदारी के प्रस्ताव आएँगे।

तुला क्रोध पर नियंत्रण रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। नई योजनाओं का सूत्रपात होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

वृश्चिक लेन-देन में सावधानी रखें। पुरानी लेनदारी वसूल होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। लाभ होगा।

धनु योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। अधूरे पड़े कार्य पूरे होंगे। जीवनसाथी से संबंधों में मधुरता आएगी।

मकर धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। नए प्रस्ताव प्राप्त होंगे। सुखद यात्रा के योग हैं।

कुम्भ वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। सोच-समझकर व्यय करें।

मीन प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कानूनी बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। परोपकारी स्वभाव होने से दूसरों की मदद कर पाएंगे।

'हीरामंडी' मोहल्ले में सुनाई देगी इंकलाब की गूंज

किसी भी कहानी को उसकी भव्यता और खूबसूरती के साथ कैसे पेश करना है ये संजय लीला भंसाली बखूबी जानते हैं। बड़े पर्दे पर तमाम कहानियां दिखाने के बाद अब संजय लीला भंसाली ओटीटी पर भी कब्जा जमाने के लिए तैयार हैं। उनकी डेब्यू वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को लेकर लंबे समय से काफी बज बना हुआ है। अबम मंगलवार, 9 अप्रैल 2024 को मेकर्स ने इसका ट्रेलर भी जारी कर दिया है। चलिए जानते है कैसा ही भंसाली की इस पहली वेब सीरीज का ट्रेलर।

हीरामंडी की कहानी आजादी से पहले की है। जब लाहौर के हीरामंडी इलाके में हर शाम तवायफें अपने संगीत और नृत्य से खूब ब्रिटिश अफसरों का मनोरंजन किया करती थीं। यहां हर औरत हीरे जैसी ही चमकती थी, लेकिन यह मोहल्ला उस समय अंधेरे से ढक गया हीरामंडी ये औरतें देश की आजादी के लिए इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाने लगीं। भंसाली ने इस दिल छू जाने वाली कहानी को बहुत उम्दा ढंग से पर्दे पर उतारने की कोशिश की है।

हीरामंडी में कहानी भंसाली ने मिताक्षरा कुमार, विभु पुरी, स्नेहिल दीक्षित मेहरा, मोइन बेग और दिव्या निधि शर्मा ने मिलकर लिखी है, जबकि निर्देशन की कमान संजय लीला भंसाली और मिताक्षरा कुमार ने संभाली है। ट्रेलर में उस दौर की कहानी को मेकर्स ने बहुत दिलचस्प ढंग से दिखाने की कोशिश की है, हालांकि, सीरीज उम्मीदों पर खरी उतर पाएगी या नहीं, इसका खुलासा तो वक्त के साथ ही हो पाएगा।

पहली मई को रिलीज होगी सीरीज

हीरामंडी में मनीषा कोइराला, सोनाक्षी सिन्हा, अदिति राव हैदरी, ऋचा चड्ढा, संजीदा शेख और शरमिन सेगल जैसी अदाकाराएं लीड रोल में नजर आ रही हैं। इनके अलावा इसमें दिग्गज अदाकारा फरीदा जलाल, शेखर सुमन, अध्ययन सुमन और फरदीन खान जैसे सितारे भी दिखेंगे। इसे 1 मई, 2024 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाने वाला है।

बॉलीवुड | मन की बात

राजकुमार हिरानी ने मुझे एक्टिंग के मामले में फ्रीडम दी थी: अरशद

बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने माने फिल्म डायरेक्टर राजकुमार हिरानी एक ऐसे नाम हैं, जिनके साथ हर एक्टर काम करने का सपना देखता है। बता दें कि वह इंडस्ट्री को बहुत सारी मनोरंजन से भरी यादगार फिल्में दे चुके हैं। उन्हीं फिल्मों में से एक है मुन्ना भाई [illegible] फ्रेंचाइजी, जिसमें अरशद वारसी द्वारा निभाया गया सर्किट का किरदार आज भी लोगों के बीच खूब पसंद किया जाता है। बता दें की फैंस और दर्शकों के बीच अरशद की इस किरदार को अलग-अलग तरीके से पसंद किया जाता है और इस रोल के बारे में उनका एक दिलचस्प नजरिया भी है। एक्टर ने बताया कि उनके सर्किट के किरदार ने दर्शकों पर गहरा असर छोड़ा है। लेकिन यह एक रिस्क भी था। राजकुमार हिरानी ने एक्टर को एक्टिंग के मामले में फ्रीडम दी थी और उन्हें इसका नतीजा सफलता के रूप में मिला। हाल ही में एक बातचीत के दौरान, अरशद वारसी ने बताया कि अगर डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने भरोसा और क्रिएटिव फ्रीडम नहीं दी होती तो सर्किट एक अलग राह पर जा सकता था। उन्होंने कहा, तुम देखो, वो रोल क्या था? विलेन के पीछे चार पांच लुखहे खड़े होते हैं ना, उनमें से मैं एक था। तुम मुझे बताओ कि उन चार लोगों जैसे कितने एक्टर तुम्हें याद हैं? आगे इस बारे में बात करते हुए अरशद ने बताया कि सर्किट उनके करियर के लिए एक टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। वह एक रिस्क था जो मैने उठाया था। यह मेरी किस्मत थी कि राजू मेरे साथ डायरेक्टर के रूप में थे और संजू मेरे को-एक्टर थे। विधु विनोद चोपड़ा ने मुझे साफ-साफ बता दिया था कि मैं चार गुंडों में से एक बनूंगा, जिसकी थोड़ी एक्स्ट्रा लाइनें होंगी। वह बहुत ऑनेस्ट थे। मैं जानता था कि संजू एक बहुत ही सिक्योर एक्टर हैं। वह कभी इनसिक्योर नहीं थे और राजू ने मुझे वह फ्रीडम दी थी।

तापसी पन्नू ने फैंस को किया मायूस
मैथियास बोए संग लिए सात फेरे

तापसी पन्नू ने उदयपुर में अपने लॉग टाइम बॉयफ्रेंड और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बोए के साथ शादी कर ली है। दूसरे सेलेब्स की तरह उन्होंने अभी तक शादी की कोई तस्वीर साझा नहीं की। इस खूबसूरत पलों पर उन्होंने पर्दा क्यों डाला है? ये सवाल लोगों को मन में है। हाल ही में पहली बार अपनी शादी पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने इस शादी को लेकर एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि आखिर उन्होंने ऐसा क्यों किया है। तापसी पन्नू शादी की तस्वीरों और वीडियोज को कब शेयर करेंगी? क्यों उन्होंने शादी को सीक्रेट बना रखा है? ये सवाल लोगों को मन में हैं, जिसका जवाब हाल ही में एक्ट्रेस ने दिया है। उन्होंने बताया कि आखिर क्या वजह है और क्यों उन्होंने ऐसा किया। डंकी स्टार तापसी पन्नू ने हाल ही में अपनी शादी को लेकर पहली बार चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहती थीं कि उनकी वेडिंग को लेकर पब्लिक स्क्रूटनी हो।

एक इंटरव्यू में तापसी पन्नू ने कहा- मुझे यकीन नहीं है कि मैं अपनी पर्सनल लाइफ को उस तरह की जजमेंट के लिए खोलना चाहूंगी जैसा कि होता है। मैंने इसके लिए साइन अप किया है, मेरे पार्टनर या शादी में शामिल लोगों ने नहीं। इसीलिए मैंने इसे अपने तक ही रखा है। इसे कभी भी सीक्रेट रखने का इरादा नहीं था। तापसी पन्नू ने आगे वेडिंग फोटोज पोस्ट रिलीज करने को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा-मैं इसे पब्लिक अफेयर नहीं बनाना चाहती थी, क्योंकि तब मुझे इस बात के लिए घबराने लगूंगी कि इसे कैसे देखा जाएगा। इसलिए मेरी किसी भी तरह की रिलीज की कोई प्लानिंग नहीं है और मुझे नहीं लगता कि मैं अभी इसके लिए मेंटली तैयार हूं।

2 करोड़ में बिक रहा टॉयलेट खरीदने वाले की लगेगी लॉटरी

इन्वेस्टमेंट अगर प्रॉपर्टी में हो तो मोटा रिटर्न मिलना तय है। इसीलिए बहुत सारे लोग प्रॉपर्टी में पैसे लगाना पसंद करते हैं। क्योंकि प्रॉपर्टी का तो कोई नुकसान है नहीं, ऊपर से रिटर्न की गारंटी है। ज्यादातर लोग अच्छी जगह देखकर प्रॉपर्टी में पैसे इन्वेस्ट करते हैं। लेकिन आप जानकर हैरान होंगे कि एक टॉयलेट 2 करोड़ रुपये में बिक रहा है। अगर आपने खरीद लिया तो लॉटरी लगनी तय है। एक काम कराते ही इसकी कीमत 5 गुनी होने वाली है। इसलिए इसे खरीदने वालों की लाइन लगी हुई है। ब्रिटेन का कॉर्नवाल सबसे पॉश इलाकों में से एक है। खूबसूरत समुद्री तटों और सुंदर शहर की वजह से यहां प्रॉपर्टी की कीमतें हाल के वर्षों में आसमान छू रही हैं। छोटी सी जगह की कीमत भी यहां करोड़ों रुपये है। लेकिन अब एक पब्लिक टॉयलेट बिकने के लिए बाजार में उपलब्ध है। इसकी कीमत 2 करोड़ रुपये लगाई गई है।

पहली नजर में तो आपको लगेगा कि आखिर इतने गंदे शौचालय में कौन रहना चाहेगा, क्यों? इस पर इतना पैसा खर्च करेगा। लेकिन पूरा मामला जानकर आप भी कहेंगे कि यह तो लॉटरी लगने से कम नहीं। प्रॉपर्टी एक्सपर्ट व्हाट्सदजैम के अनुसार, साल्टाश टाउन में अब तक निर्माण करने की इजाजत नहीं थी। इसकी वजह से कीमतें कम थीं। लेकिन बीते दिनों इसकी अनुमति दे दी गई। आप चाहें तो 152 वर्ग मीटर के चार बेडरूम वाले घर बना सकते हैं। यह ऐलान होते ही कीमतें आसमान छू रही हैं। ऐसे एक घर की कीमत यहां 10 करोड़ रुपये तक है। जो शौचालय बेचा जा रहा है, उसे खरीदने के बाद निर्माण करने की भी अनुमति है। इस तरह अगर आप टॉयलेट को खरीदते हैं, तो उस पर निर्माण करने के बाद इसकी कीमत 5 गुनी तक हो जाएगी। अगर आप निर्माण लागत को कुछ कम कर दें तो यह काफी लाभदायक सौदा हो सकता है। हालात को देखते हुए इसकी कीमत काफी कम रखी गई है। अगर नीलामी हो तो यह ज्यादा कीमत पर बिक सकता है। बिक्री विज्ञापन में लिखा है, 152 वर्ग मीटर के स्टाइलिश चार बेडरूम वाले अलग घर की योजना के साथ एक शानदार बिल्डिंग प्लॉट! यह प्लॉट स्थानीय दुकानों और सुविधाओं से बस कुछ ही दूरी पर स्थित है। आप चाहें तो इस पर तीन मंजिला बना सकते हैं। यहां काफी ओपन स्पेस है। कम से कम दो कार आप पार्क कर सकते हैं। इसे इस तरह से डिजाइन किया गया है कि अगर आपने घर बना लिया तो प्राकृतिक रोशनी चारों ओर से आपके घर में आएगी। सबसे खास बात, यह संपत्ति फ्री होल्ड है।

अजब-गजब | इस देवी मंदिर में लगता है अघोरियों का जमघट

यहां सारी रात चलता है तंत्र मंत्र का खेल जितने पशु होते हैं सब करते हैं मां की आरती

मुजफ्फरपुर। वाराणसी, उज्जैन और मुजफ्फरपुर तंत्र मंत्र साधना के बड़े केंद्र हैं। नवरात्रि हो या शिवरात्रि इन दिनों में ये साधना और बढ़ जाती है। बिहार के मुजफ्फरपुर में मां पीतांबरा का सिद्धपीठ है। यहां नवरात्रि के दौरान घोर तंत्र साधना होती है। कहते हैं महाकाल की सवारी भैरव खुद यहां पूजा करने आते हैं। मुजफ्फरपुर के इस मंदिर के बारे में कई मिथ हैं।

बिहार का प्रसिद्ध मां पीतांबरी बगलामुखी सिद्धपीठ मुजफ्फरपुर ही नहीं, दूर दूर के इलाकों तक के लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां साल भर भक्तों का तांता लगा रहता है। मंदिर में स्थापित माता की अष्टधातु की प्रतिमा के दर्शन के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं। मान्यता है माता हल्दी और दूब से पूजा करने पर खुश होती हैं। चैत्र नवरात्रि पर मंदिर में पूजा अर्चना शुरू हो गई है। सप्तमी पर मंदिर में देर रात विशेष निशा पूजा की जाती है। पीतांबरी बगलामुखी सिद्धपीठ की मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी हर मुराद पूरी होती है। बताया जाता है मंदिर के ठीक नीचे सर्व मनोकामना सिद्ध 'सहस्त्र दल महायंत्र' स्थापित है। इससे यहां आने वाले हर व्यक्ति की मुरादें मां पूरी करती हैं।

इस मंदिर की खास बात है कि नवरात्रि में यहां कोलकाता से दर्जनों अघोरी तांत्रिक साधना के लिए जुटते हैं और सुबह होने से पहले तक तंत्र साधना समाप्त करते हैं। इसके लिए मन्दिर के पीछे वाले परिसर में चार हवन कुंड हैं। वहां तांत्रिक तंत्र क्रियाओं को पूरा करते हैं। इस दौरान यहां महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध रहता है। ऐसी मान्यता है कि यहां 21 दिन नियमित दर्शन करने पर मां भगवती भक्त की हर मनोकामना पूर्ण करती हैं। यहां जब मां की विशेष निशा आरती होती है तब महाकाल की सवारी भैरव यहां कुत्ते के स्वरूप में मौजूद रहते हैं। यहां जितने भी पशु हैं वह सब मां की आरती करते हैं। इसका इतिहास यह है कि बहुत समय पहले आरती के समय एक भैरव (कुत्ता) नहीं रहा था। तब से यहां सभी भैरव (कुत्ता) अपने स्वरूप में मां को आरती भेंट करते हैं।

जनता की मांग पर दिए जाएंगे अधिकार : अखिलेश

जन-जन तक पहुंचेगा सपा विजन डॉक्यूमेंट, मनरेगा मजदूरी बढ़ाकर 450 करेंगे, लड़कियों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर घोषणा पत्र जारी कर दिया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में पिछले दिनों घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के सोशल मीडिया पेज से सुझाव मांगे थे। इन्हीं सुझाव के आधार पर विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया गया। सोशल मीडिया पर सभी ने हमें अपने सुझाव दिए। सभी को संकलन किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता का मांगपत्र हमारा अधिकार है।

सपा के घोषणा पत्र में लड़कियों के लिए मुफ्त शिक्षा और मनरेगा मजदूरी समेत कई बड़े वादे किए गए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि हमने अपने विजन डॉक्यूमेंट को जनता का मांग पत्र – हमारा अधिकार नाम दिया है। इस विजन डॉक्यूमेंट में मुख्य मांगें हैं– संविधान की रक्षा का अधिकार, रक्षा का अधिकार लोकतंत्र, मीडिया की स्वतंत्रता का अधिकार, और सामाजिक न्याय का अधिकार, देश के विकास के लिए सामाजिक न्याय का अधिकार आवश्यक है। देश की जाति जनगणना के बिना समावेशी विकास संभव नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि युवा बेरोजगार हैं। बेरोजगारी 80 फीसदी तक पहुंच गई है। गांव में 90 फीसदी तक बेरोजगारी है। उत्तर प्रदेश का हाल और खराब है। सरकार आरक्षण नहीं देना चाहती, इसीलिए नौकरी नहीं देना चाहती। भाजपा ने प्रदेश में जान बूझकर कर पेपर लीक कराए हैं।

ईदगाह पहुंचकर मुबारकबाद दी

ईद के अवसर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव भी लखनऊ स्थित ईदगाह पहुंचे और सभी को मुबारकबाद दी। उन्होंने कहा कि आज ईद के मौके पर मैं अपनी तरफ से आप सभी को बहुत-बहुत मुबारकबाद देना चाहता हूं, ये त्योहार जहां हम एक-दूसरे के गले मिलते हैं, सेवइयां खाकर एक-दूसरे का मुंह मीठा करते हैं, यही हमारे देश की खूबसूरती रही है, हम एक-दूसरे का सम्मान करें और एक-दूसरे को मोहब्बत की नजर से देखें, मैं इसी उम्मीद के साथ आप सभी को ईद की बहुत-बहुत मुबारकबाद देता हूं।

गरीबों को घटिया राशन दे रही बीजेपी सरकार

अखिलेश यादव ने कहा कि गरीबों तक आने वाला राशन घटिया है। पौष्टिक भोजन नहीं मिल रहा। अखिलेश ने कहा कि निशुल्क शिक्षा का अधिकार है। जीडीपी तीन फीसदी से बढ़ाकर छह फीसदी करेंगे। पुरानी पेंशन स्कीम भी सभी विभागों में बहाल की जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि सीमाएं असुरक्षित होती जा रही हैं। भारत के कुछ हिस्से में सीमा सिकुड़ रही है। अग्निवीर सोची समझी रणनीति है। हम सत्ता में आए तो अग्निवीर योजना को समाप्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा दोबारा सत्ता में आई तो कहीं, पुलिस पीएसी में भी तीन साल की नौकरी न कर दे। अखिलेश ने घोषणा पत्र जारी करते वक्त आटा और डेटा के अधिकार की बात भी की। अखिलेश ने कहा कि जनता का साथ होगा तो सबसे ज्यादा सीट पाएंगे। भाजपा के वादे झूठे वादे रहेंगे। सपा अधिकारों की बात करती है। जयंत चौधरी के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जहां हम जाएंगे, वहां कोई नहीं आ पाएगा।

मनरेगा में मजदूरी बढ़ाने का वादा

सपा ने मनरेगा में मजदूरी बढ़ाकर 450 रुपये करने का वादा किया है। मनरेगा में कार्य दिवस बढ़ाने का वादा: सपा ने मनरेगा के तहत कार्य दिवस की संख्या बढ़ाने का वादा भी किया है। सत्ता में आने पर मनरेगा के तहत कार्य दिवस के दिन 150 तक किए जाएंगे। ाली सरकारी पद भरने का वादा- घोषणा पत्र में सपा ने सभी सरकारी विभागों में खाली पड़े पद तत्काल भरने का वादा किया है। घोषणा पत्र के अनुसार, सभी के लिए राष्ट्रीय रोजगार नीति और मिशन रोजगार स्थापित होगा। घोषणा पत्र में सपा के युवाओं के लिए लैपटॉप वितरण योजना पूरे देश में लागू करने का भी वादा किया है। समाजवादी पार्टी ने पुलिस समेत सभी सरकारी विभागों की नौकरियों में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण देने का वादा भी किया है। सपा ने लड़कियों के लिए बड़ा एलान किया, घोषणा पत्र के अनुसार, सरकार बनने पर केजी से पीजी तक लड़कियों को फ्री शिक्षा मिलेगी। संसद और विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करने का वादा भी सपा ने किया है। सपा ने घोषणा पत्र में महिलाओं को डायरेक्ट कैश बेनिफिट का वादा भी किया है। सत्ता में आने पर गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की महिलाओं को 3000 रुपये प्रति महीने तक की मासिक पेंशन मिलेगी। सपा ने जातिगत जनगणना कराने का वादा किया है।

भीषण गर्मी की आशंका, केंद्र ने की बैठक

» देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री के पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में अप्रैल के महीने की शुरुआत के साथ ही भीषण गर्मी की आशंक दिखने लगी है। देश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री के पार पहुंच गया है। गर्मी के महीनों में मौसम की स्थिति खराब होने के पूर्वानुमान के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने को लू से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की और केंद्र, राज्य तथा जिला स्तर पर सरकारों के सभी अंगों से तालमेल के साथ काम करने का आह्वान किया।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि बयान में कहा गया है कि आवश्यक दवाओं, तरल पदार्थ, आइस पैक, ओआरएस और पीने के पानी की उपलब्धता के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र में तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव, गृह सचिव, भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हाल ही में कहा था कि अप्रैल से जून की अवधि के दौरान भारत में अत्यधिक गर्मी की संभावना है। मध्य और पश्चिमी प्रायद्वीपीय हिस्सों में इसका सबसे ज्यादा असर पड़ने की संभावना है।

बच सकती थी मासूम बच्चों की जान

» नशे में था ड्राइवर
» गांव वालों ने पकड़ा था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में हुई बस दुर्घटना को टाला जा सकता था, जिसमें छह स्कूली बच्चों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ ग्रामीणों ने ड्राइवर धर्मेंद्र, जो नशे में लग रहा था। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में गुरुवार को हुई बस दुर्घटना को टाला जा सकता था, जिसमें छह स्कूली बच्चों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ ग्रामीणों ने ड्राइवर धर्मेंद्र, जो नशे में लग रहा था, से चाबी छीन ली और वाहन को आगे बढ़ने से रोक दिया। हालाँकि, स्कूल अधिकारियों द्वारा धर्मेंद्र को बदलने के आश्वासन के बाद चाबी उन्हें वापस सौंप दी गई। इन ग्रामीणों से धर्मेंद्र को चाबी वापस देने का अनुरोध किया गया और भविष्य में एक नया ड्राइवर भेजने का आश्वासन दिया गया।

हालांकि, बस कुछ ही दूरी तय कर पाई थी कि सुबह करीब 8.30 बजे कनीना के उन्हानी गांव के पास ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और बस एक पेड़ से टकरा गई। लगभग 40 बच्चों को जीएल पब्लिक स्कूल ले जा रही बस दुर्घटना के परिणामस्वरूप पलट गई। सिर्फ ग्रामीणों ने ही नहीं, बल्कि कुछ अभिभावकों ने भी स्कूल अधिकारियों को ड्राइवर की शराब पीने की आदत के बारे में बताया था। दरअसल, गुरुवार को भी उन्होंने स्कूल को अलर्ट किया था कि ड्राइवर शराब के नशे में है।

छुट्टी पर स्कूल खुले रहना सवालों के घेरे में

ईद के राजपत्रित अवकाश के दिन गुरुवार को खुला रहने के कारण जीएल पब्लिक स्कूल सवालों के घेरे में आ गया है। महेंद्रगढ़ की उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल की मान्यता रद्द करने के लिए राज्य सरकार को एक प्रस्ताव भेजा है क्योंकि यह ईद पर चल रहा था। कारण बताओ नोटिस के साथ यह कार्रवाई की गई है।

अब तक तीन लोग गिरफ्तार

इस मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, स्कूल की प्रिंसिपल, दीप्ति और एक अन्य अधिकारी होशियार सिंह इसमें धर्मेंद्र भी शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने कहा कि धर्मेंद्र को दुर्घटनास्थल पर पकड़ा गया और उसकी मेडिकल जांच से पुष्टि हुई कि वह शराब के नशे में था।

बुमराह का कहर, आरसीबी की निकली आह

» मुंबई इंडियंस ने बेंगलोर को को 7 विकेट से दी मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 के 25वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को सात विकेट से हरा दिया। इस दौरान जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट और सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन ने आतिशी पारियां खेली। इसी के साथ मुंबई की इस सीजन में अबतक ये दूसरी जीत है जबकि आरसीबी को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है।

ईशान ने सिर्फ 34 गेंद में सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 69 रन बनाये। वहीं सूर्यकुमार ने 19 गेंद में 52 रन की पारी खेली जिसमें चार छक्के और पांच चौके शामिल थे। मुंबई इंडियंस ने आरसीबी से मिला 197 रन का लक्ष्य 15 . 3 ओवर में हासिल कर लिया। ईशान ने मोहम्मदसिराज के दूसरे ही ओवर में तीन छक्कों और एक चौके समेत 23 रन लेकर मैच की दिशा तय कर दी। आरसीबी ने छठे ओवर में ग्लेन मैक्सवेल को गेंद सौंपी जिसके ओवर में दो चौके और एक छक्का लगाकर ईशान ने 23 गेंद में इस सत्र में अपना पहला अर्धशतक लगाया। उन्होंने रोहित शर्मा के साथ पहले विकेट के लिये 53 गेंद में 101 रन जोड़े । रोहित ने 24 गेंद में 38 रन बनाये जिसमें तीन चौके और तीन छक्के शामिल थे। उन्होंने ईशान और सूर्यकुमार के साथ सहायक की भूमिका निभाई। रोहित को विल जैक ने पवेलियन भेजा जिनका शॉर्ट फाइन लेग पर डाइव लगाकर एक हाथ से रीसे टॉपली ने कैच लपका। सूर्यकुमार को 15 के स्कोर पर मैक्सवेल ने बैकवर्ड प्वाइंट पर जीवनदान दिया था। उन्होंने 11वें ओवर में आकाश दीप की धुनाई करते हुए तीन छक्कों और एक चौके की मदद से 24 रन निकाले। चोट से लौटकर दूसरा ही मैच खेल रहे सूर्यकुमार को आरसीबी के गेंदबाजों ने कई ढीली गेंदें डाली और दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज ने पूरा फायदा उठाते हुए 17 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

गैंगस्टर सोनू कनौजिया ने थामा भाजपा का हाथ

» पुलिस एनकाउंटर के लिए कर रही थी तलाश

» लूट, हत्या व अपहरण सहित 21 मुकदमें हैं दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोक सभा चुनाव से पहले नेताओं का सियासी पार्टियों में आने-जाने का सिलसिला जारी है। उसी क्रम में जिस गैंगेस्टर को पुलिस एनकाउंटर के लिए तलाश रही थी वह सत्ता पक्ष में शामिल हो गया और पुलिस हाथ मलती रह गई। दरअसल, बरेली में गैंगस्टर सोनू कनौजिया ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। सोनू पर हत्या, लूट, अपहरण, एक्सटोर्शन, हत्या का प्रयास, जमीन कब्जा करने के 21 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस उसके एनकाउंटर के लिए तलाश रही थी। लेकिन कल सोनू, आंवला सांसद धर्मेन्द्र कश्यप के यहां आयोजित कार्यक्रम में पहुंचा।

जहां कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने उसे पटका पहनाकर बीजेपी में शामिल कराया। सोनू कनौजिया पहले समाजवादी पार्टी में भी रहा है। बरेली पुलिस के रिकॉर्ड में इस पर गैंगस्टर और एनएसए भी लगा है। बता दें कि बुधवार को आंवला सांसद धर्मेंद्र कश्यप के कैंप कार्यालय पर बूथ अध्यक्षों की बैठक बुलाई गई थी। जहां कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह, आंवला सांसद, क्लस्टर प्रभारी पूर्व मंत्री सुरेश राणा ने सोनू के गले में भाजपा का पटका पहनाकर उन्हें पार्टी में शामिल किया। सोनू लखनऊ के मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र से 2022 में विधायक का चुनाव भी लड़ चुका हैं।

भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में आए : राहुल कश्यप

सोनू के पार्टी में आने की पुष्टि करते हुए आंवला सांसद के मीडिया प्रभारी राहुल कश्यप ने बताया, भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर सोनू ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। सोनू के पार्टी में शामिल होने से सपा प्रत्याशी का चुनाव कमजोर होगा।

रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट केस में एनआईए ने दो आतंकी पकड़े

» कोलकाता के पास से गिरफ्तार किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार (12 अप्रैल) को रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में दो फरार आरोपियों को पश्चिम बंगाल में कोलकाता के पास से गिरफ्तार कर लिया। 1 मार्च को बेंगलुरु कैफे में हुए विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए थे। इन आतंकियों की पहचान मुसाविर हुसैन शाजिब और अब्दुल मदीन ताहा के रूप में हुई है। एनआईए के एक प्रवक्ता ने कहा,कि रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में फरार अदबुल मथीन ताहा और मुसाविर हुसैन शाज़बि का कोलकाता के पास उनके ठिकाने का पता लगाया गया और एनआईए टीम ने उन्हें पकड़ लिया।

12 अप्रैल की सुबह, एनआईए कोलकाता के पास फरार आरोपियों का पता लगाने में सफल रही, जहां वे झूठी पहचान के तहत छिपे हुए थे। एक अधिकारी ने कहा,एनआईए ने मामले में दो और लोगों को भी आरोपी बनाया है। उनमें से एक, 26 वर्षीय माज़ मुनीर अहमद घटना के समय जेल में थ। दूसरा आरोपी 30 वर्षीय मुजम्मिल शरीफ है, जिसे एनआईए ने 27 मार्च को सेल फोन, फर्जी सिम कार्ड और विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली अन्य सामग्री उपलब्ध कराने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

10 लाख रुपये का था इनाम

पिछले महीने, एनआईए ने 30 साल के ताहा और शाजिब की तस्वीरों के साथ-साथ इनसे जुड़ी जानकारी शेयर की थी। इन आतंकियों पर 10 लाख रुपये के इनाम की भी घोषणा की थी। प्रवक्ता ने कहा, शाजिब वह आरोपी है जिसने कैफे में आईईडी रखा था और ताहा विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने और उसके बाद कानून के चंगुल से बचने का मास्टरमाइंड है। आतंकियों को पकड़ने के लिए एनआईए ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल की राज्य पुलिस एजेंसियों के साथ कॉर्डिनेट किया था। एनआईए ने कहा कि 300 से अधिक कैमरों से सीसीटीवी फुटेज को स्कैन करने के बाद, यह पाया गया कि 2020 में सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर आए आईएसआईएस के दो सदस्य शाजिब और ताहा ने विस्फोट को अंजाम दिया था।

आतंकवाद और अलगाववाद अब कश्मीर में नहीं रहे मुद्दे : मोदी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

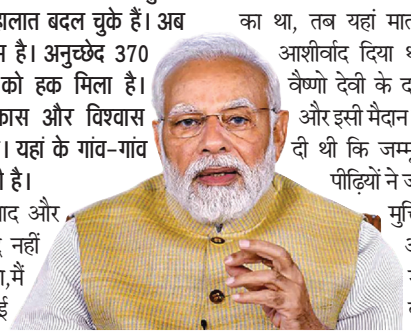

उधमपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि ये मजबूत सरकार बनाने का चुनाव है। जम्मू-कश्मीर में हालात बदल चुके हैं। अब यहां अमन-चैन कायम है। अनुच्छेद 370 हटने से बहू-बेटियों को हक मिला है। जम्मू-कश्मीर में विकास और विश्वास साथ-साथ चल रहे हैं। यहां के गांव-गांव तक बिजली पहुंच चुकी है।

इसलिए आतंकवाद और अलगाववाद कोई मुद्दे नहीं हैं। मोदी ने कहा,मैं उधमपुर पिछले कई दशकों से आ रहा हूं। मुझे याद है 1992 में एकता यात्रा के दौरान यहां आपने भव्य स्वागत और सम्मान किया था। आप भी जानते हैं कि तब हमारा मिशन लाल चौक पर तिरंगा फहराने का था, तब यहां माताओं-बहनों ने बहुत आशीर्वाद दिया था। 2014 में माता वैष्णो देवी के दर्शन करके आया था और इसी मैदान पर मैंने आपको गारंटी दी थी कि जम्मू कश्मीर की अनेक पीढ़ियों ने जो कुछ सहा है, उससे मुक्ति दिलाऊंगा। आज आपके आशीर्वाद से मोदी ने वो गारंटी पूरी कर दी है।

हिमाचल में भीषण कार हादसा, चार की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कुल्लू। कुल्लू के पुलिस थाना आनी के अंतर्गत राणाबाग-करशाला मार्ग पर चोईनाला में एक मारुति आल्टो कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दुर्घटना में कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आनी से पुलिस की टीम मौके की ओर रवाना हो गयी है।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान सुरेंद्र कुमार चालक (40) पुत्र धर्मचन्द और सुशील कुमार (36) पुत्र मनसा राम निवासी बिशल डाकघर डिगेढ, बीर सिंह (43) पुत्र मोती राम और संजीव कुमार (34) पुत्र रोशन लाल, निवासी खनेरी डाकघर डिगेढ के रूप में हुई है। वहीं सूचना मिलते ही आनी के विधायक लोकेंद्र कुमार ने दुर्घटना पर गहरा शोक जताया है और मौके की ओर रवाना हो गए हैं। पुलिस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुट गई है।

बठिंडा में पेड़ से टकराई तेज रफ्तार ऑल्टो, महिला समेत तीन की गई जान

मुक्तसर के बठिंडा रोड हाईवे पर गांव बुटर शरीह के पास एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों को सिविल अस्पताल मुक्तसर में भर्ती करवाया गया जहां से एक घायल की हालत गंभीर होने के चलते बठिंडा के लिए रेफर कर दिया गया। घटना शुक्र वार की सुबह साढ़े छह बजे के करीब की है। हादसे के बाद कार के परखच्चे उड़ गए हैं।मृतक और घायल मुक्तसर निवासी हैं और जिला बठिंडा के राना मंडी में विगत वीरवार की रात को एक धार्मिक समारोह में शामिल होने के बाद शुक्रवार सुबह तड़के मुक्तसर को कार पर लौट रहे थे।लेकिन मुक्तसर के बठिंडा रोड हाईवे पर उनकी कार पेड़ से टकरा गई। हादसे का कारण अभी पता नहीं चल सका है। लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ड्राइवर को नींद की झपकी आने से यह हादसा होने की बात कही जा रही है।

बीआरएस नेता के. कविता अदालत में पेश

» सीबीआई ने पांच दिन की हिरासत मांगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिल्ली आबकारी नीति के कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को यहां एक अदालत के समक्ष पेश किया और उनकी पांच दिन की पुलिस हिरासत मांगी। बहरहाल, अदालत ने सीबीआई की याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तारी के बाद से तिहाड़ जेल में हैं।

सीबीआई ने अदालत को बताया कि कविता जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं और सवालों का जवाब देने से बच रही हैं। आरोपी के वकील नितेश राणा ने सीबीआई की याचिका का विरोध करते हुए इस गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया। सीबीआई अधिकारियों ने एक विशेष अदालत से अनुमति लेने के बाद हाल में जेल के अंदर कविता से पूछताछ की थी। बीआरएस नेता से मामले में सह-आरोपी बुच्ची बाबू के फोन से मिले व्हाट्सऐप चैट और एक भूमि सौदे से संबंधित दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की गई थी। आरोप है कि आबकारी नीति में कथित बदलाव के लिए आम आदमी पार्टी (आप) को रिश्वत के रूप में 100 करोड़ रुपये दिए गए थे। ईडी ने कविता (46) को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से 15 मार्च को गिरफ्तार किया था और वह न्यायिक हिरासत में हैं।

सिसोदिया ने आबकारी नीति मामले में दाखिल की जमानत याचिका

आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अंतरिम जमानत याचिका दाखिल की है। लोकसभा चुनाव 2024 में प्रचार करने के लिए उन्होंने अदालत से अंतरिम जमानत की मांग की है। उन्होंने यह मांग ईडी और सीबीआई दोनों मामलों में रखी है।

सीबीआई ने संदेशखाली में शिकायतें दर्ज कराने के लिए ई-मेल आईडी किया जारी

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन पर कब्जा किए जाने संबंधी शिकायतें दर्ज कराने के लिए एक ई-मेल आईडी जारी किया है। अधिकारियों ने बताया कि यह ईमेल आईडी उत्तर 24परगना जिले के संदेशखाली के लोगों के लिए शिकायत दर्ज कराने के वास्ते एक मंच के तौर पर काम करेगा। सीबीआई ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय की खंडपीठ की ओर से 10 अप्रैल 2024 को पारित आदेश के अनुपालन में सीबीआई ने एक समर्पित ईमेल बनाया है जिसमें महिलाओं के खिलाफ अपराध और जमीन पर कब्जे के संबंध में संदेशखाली के लोगों की शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।